विषय–बहीखाता एवं लेखाकर्म **Set-B**

निर्देश : (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में दो खण्ड हैं। खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड (ब) में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। (उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 30 शब्द)

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 50 शब्द)

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में एक आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 75 शब्द)

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 से 27 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं।

1. **(खण्ड-अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(i) क्रमागत ह्रास पद्धति में ह्रास निकाला जाता है–
(अ) सम्पत्ति के ह्रसित मूल्य पर
(ब) सम्पत्ति के क्रय मूल्य पर
(स) प्रथम वर्ष संपत्ति के क्रय मूल्य पर और शेष वर्षों के ह्रसित मूल्य पर
(द) सम्पत्ति के अवशिष्ट मूल्य पर

(ii) अवशेष मूल्य का महत्व किस पद्धति में नहीं होता है ?
(अ) स्थायी किस्त पद्धति (ब) क्रमागत ह्रास पद्धति
(स) ह्रास कोष पद्धति (द) वार्षिक वृत्ति पद्धति

(iii) आय–व्यय खाता बनाया जाता है–
(अ) कम्पनी द्वारा (ब) गैर–व्यापारिक संस्था द्वारा
(स) व्यापारिक संस्था द्वारा (द) साझेदारी फर्म द्वारा

(iv) वास्तविक लाभ – अनुमानित लाभ = ... –
(अ) औसत लाभ (ब) शुद्ध लाभ
(स) अधिलाभ (द) सकल लाभ

(v) ₹ 10 वाला एक अंश, जिस पर ₹ 6 प्राप्त हो गए हैं तथा ₹ 4 प्राप्त नहीं हुए हैं, का हरण हो गया है। इसे कम–से–कम निम्न मूल्य पर निर्गमित किया जा सकता है–
(अ) ₹ 10 (ब) ₹ 4
(स) ₹ 6 (द) ₹ 2

1. **(खण्ड-ब)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) मूल्य ह्रास की क्रमागत शेष पद्धति के अनुसार वार्षिक मूल्य ह्रास की गणना सम्पत्ति के .... पर की जाती है।

(ii) गतवर्ष की सम्पत्तियों से गतवर्ष के दायित्वों को घटाकर .... ज्ञात की जाती है।

(iii) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन साझेदारी फर्म का .... कहलाता है।

(iv) ऋणपत्रों को प्राय: .... के बदले निर्गमित करते हैं।

(v) कम्पनी संचालन के बारे में नीतियाँ बनाने वाले प्रलेख को ...... कहते हैं।

2. अधिभावी कमीशन से क्या आशय है ?
3. ₹ 5,50,000 के बीजक मूल्य पर माल प्रेषण पर भेजा गया, जो कि लागत से 10% अधिक है। लागत मूल्य ज्ञात कीजिए।
4. A ने 300 रेडियो सेट ₹ 200 प्रति सेट बीजक मूल्य की दर से B को प्रेषण पर भेजे। B ने उसे ₹ 300 प्रति सेट की दर से बेच दिया। एजेण्ट को बीजक मूल्य पर 10% कमीशन दिया जाता है। एजेण्ट की कमीशन की गणना कीजिए।
5. आय–व्यय खाता बनाने के कोई दो विशेषताएँ समझाइए।
6. आजीवन सदस्यता शुल्क क्या है ?
7. साझेदारी फर्म के अनिवार्य विघटन की कोई दो दशाएँ स्पष्ट कीजिए।
8. संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) और साझेदारी में कोई दो अन्तर लिखिए।
9. अंश हरण के किन्हीं दो प्रभावों को समझाइए।
10. मूल्यह्रास और अप्रचलन में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।
11. एक क्लब से सम्बन्धित निम्न विवरण उपलब्ध हैं :

प्राप्तियाँ		भुगतान	
दान	₹ 10,000	किराया	₹ 12,000
प्रवेश शुल्क	₹ 15,000	छपाई एवं स्टेशनरी	₹ 5,000
भवन बेचा	₹ 25,000	प्रतिभूतियों में विनियोग	₹ 20,000
		विविध खर्चे	₹ 2,000

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष का क्लब के प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइए।

12. A, B, C फर्म का भविष्य में प्रत्याशित औसत शुद्ध लाभ ₹ 72,000 प्रतिवर्ष है। फर्म की व्यवसाय में नियोजित औसत पूँजी ₹ 4,50,000 है। इस वर्ग के व्यवसाय में निवेशित पूँजी पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर 10% है। साझेदारों का पारिश्रमिक ₹ 12,000 प्रतिवर्ष आकलित किया जाता है। अधिलाभ के दो वर्ष के क्रय के आधार पर ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।

13. अंशों के हरण तथा सम्पर्ण में किन्हीं तीन बिन्दुओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

14. सोनू लिमिटेड के प्रति ₹ 500 वाले 2000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए। कम्पनी की बही में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए, यदि ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमत किए गए, समस्त राशि एकमुश्त प्राप्त हुई।

15. रायपुर कम्पनी लि. ने प्रति ₹ 20 वाले 10000 समता अंशों का निर्गमन 10% बट्टे पर किया। समस्त अंशों पर एकमुश्त आवश्यक राशि प्राप्त हो गई। आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

16. संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के कोई चार लक्षण समझाइए।

अथवा

संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के किन्हीं चार लाभों को समझाइए।

17. *A* और *B* ने 31 दिसम्बर, 2010 को अपने व्यवसाय के समापन का निर्णय लिया। उस तिथि को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था:

दायित्व	राशि	सम्मत्तियाँ	राशि
	₹		₹
लेनदार	10,000	रोकड़	2,000
A का ऋण	18,000	देनदार	13,000
पूँजी खाता–		विविध सम्पत्तियाँ	68,000
A ₹ 20,000		ख्याति	5,000
B ₹ 40,000	60,000		
	88,000		**88,000**

साझेदार अपनी पूँजी के अनुपात में लाभ-हानि विभाजित करते हैं। ख्याति से ₹ 6,000 वसूल हुए, लेनदारों को 5% कटौती पर भुगतान किया गया। विविध सम्पत्तियों से ₹ 63,000 वसूल हुए। देनदारों से ₹ 8,000 वसूल हुए। समापन की लागत ₹ 500 हुई। वसूली खाता बनाइए।

अथवा

सचिन एवं धोनी 2 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2012 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था :

दायित्व	राशि	सम्मत्तियाँ	राशि
	₹		₹
लेनदार	90,000	देनदार	40,000
सचिन का ऋण	40,000	विविध सम्पत्तियाँ	1,40,000
पूँजी खाता–			
सचिन ₹ 20,000			
धोनी ₹ 30,000	50,000		
	1,80,000		**1,80,000**

उन्होंने उक्त तिथि को फर्म के विघटन का निर्णय किया। देनदारों से ₹ 30,000 तथा विविध सम्पत्तियों से ₹ 1,20,000 वसूल हुए। वसूली खाता बनाइए।

18. अजय और विजय ने संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) में 3:1 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हुए कार्य करने का निश्चय किया। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित लेन-देन हुए–

(i) माल का क्रय ₹ 30,000

(ii) व्ययों का भुगतान ₹ 1,500

(iii) माल का विक्रय ₹ 36,000

(iv) अजय ने स्वयं रख लिया ₹ 1,000 का माल

संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता बनाइए।

अथवा

A, B और C ने माल खरीदने व बेचने के लिए एक संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) की शुरूआत की। C ने ₹ 60,000 A से तथा ₹ 60,000 B से प्राप्त किए और ₹ 60,000 स्वयं भी लगाए। उनसे ₹ 1,60,000 का नकद माल खरीदा और ₹ 6,400 खर्चे के चुकाए। उसने सारा माल ₹ 2,00,000 में बेच दिया। लाभ-हानि का विभाजन समान अनुपात में किया जाना है। A एवं B का संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता तैयार कीजिए।

19. प्रेषण खाता एवं लाभ-हानि खाता में किन्हीं चार बिन्दुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रेषण और बिक्री में किन्हीं चार बिन्दुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

20. फर्म के विघटन की दशा में हिसाब-किताब का निपटारा कैसे किया जाता है?

अथवा

क्या साझेदारी फर्म का पंजीयन कराना अनिवार्य है? पंजीयन नहीं कराने पर क्या प्रभाव पड़ता है?

16. एक यंत्र पर दो वर्ष तक 10% की दर से घटती किस्त पद्धति से मूल्यह्रास लगाया गया, जो 1 जनवरी, 2010 को ₹ 30,000 में खरीदा गया था। 2012 में इसी दर पर मूल लागत पद्धति को यंत्र की क्रय तिथि से ही अपनाने का निश्चय किया गया। 2010 से 2012 तक का यंत्र खाता बनाइए।

अथवा

एक यंत्र 1 जनवरी, 2010 को ₹ 10,000 में क्रय किया गया। प्रतिवर्ष 10% की वार्षिक दर से स्थायी किस्त पद्धति से अवक्षयण लगाया गया। 1 जनवरी, 2012 को यह निश्चित किया गया कि यंत्र पर उसकी क्रय तिथि से ही 15% की वार्षिक दर से स्थायी किस्त पद्धति से ह्रास लगाया जायेगा। 2010 से 2012 तक का यंत्र खाता बनाइए।

22. वासु व शेखर एक संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) में शामिल हुए। उनका लाभ-हानि विभाजन का अनुपात 3 : 2 है। संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के लिए वे पृथक बही नहीं रखते है। साहस में सहसाहसियों द्वारा लगाई गई राशियाँ व उनके द्वारा प्राप्त की गई राशियाँ निम्नानुसार हैं–

विवरण	वासु (₹)	शेखर (₹)
वस्तु का क्रय	85,000	65,000
क्रय पर व्यय	2,500	1,300
विक्रय से प्राप्त	90,000	75,000
स्टॉक जिसे लिया गया	5,000	4,000

केवल वासु की बही में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

अथवा

उपरांक्त प्रश्न 22 में दी गई जानकारी से वासु की बही में संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता तैयार कीजिए।

23. राजेश व अशोक साझेदार हैं, जो क्रमश: $\frac{3}{5}$ व $\frac{2}{5}$ के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। उनका स्थिति विवरण निम्न है–

दायित्व	राशि	सम्मत्तियाँ	राशि
	₹		₹
पूँजी:		रोकड़	1,300
राजेश ₹ 4,000		देनदार ₹ 2,000	
अशोक ₹ 2,000	6,000	(–) संचय ₹ 800	1,200
		स्कंध	3,000
लेनदार	800	यंत्र	1,300
	68,000		**68,000**

उन्होंने उमेश को फर्म में साझेदार के रूप में प्रवेश देने का निश्चय किया इस शर्त पर कि वह व्यापार में ₹ 2,000 ख्याति के तथा नये फर्म का लाभों में से $\frac{1}{3}$ भाग प्राप्त करने ₹ 4,650 पूँजी के लिए देगा। यह भी तय हुआ कि–

bjects.com

(i) डूबते ऋण संचय को ₹ 200 घटा दिया जाए,
(ii) स्टॉक ₹ 4,000 पर पुन: मूल्यांकित किया जाए,
(iii) यंत्र का मूल्य घटाकर ₹ 1,000 कर दिया जाए।
पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइए।

अथवा

राम और श्याम 3 : 1 के अनुपात में साझेदारी है। 31 दिसम्बर, 2012 को उनका चिट्ठा निम्नलिखित है:

दायित्व	राशि	सम्मत्तियाँ	राशि
	₹		₹
लेनदार	10,000	देनदार	16,000
पूँजी खाता:		स्कंध	20,000
राम ₹ 30,000		फर्नीचर	2,000
श्याम ₹ 10,000	40,000	भवन	24,000
देय बिल	12,000		
	62,000		**62,000**

उन्होंने 1 जनवरी, 2013 को मोहन को निम्न शर्तों पर प्रवेश दिया–

(i) फर्म के भावी लाभों में से $\frac{1}{5}$ भाग प्राप्त करने हेतु मोहन पूँजी के रूप में ₹ 10,000 देगा और ₹ 8,000 ख्याति के रूप में देगा।

(ii) स्कंध व फर्नीचर का मूल्य 10% कम करना है ओर अप्राप्त ऋण के लिए 5% संचिति का सृजन किया जाएगा।

(iii) भवन का मूल्य 20% बढ़ाया जाएगा।

24. रूचि ट्रेडर्स, इन्दौर ने 50 पंखे पिन्टू ट्रेडर्स, रीवा को ₹ 360 प्रति पंखे की दर से प्रेषण पर भेजे तथा इस सम्बन्ध में ₹ 300 पैकिंग ओर ₹ 240 रेलभाड़ा के दिए। 5 पंखे रास्ते में खो गए। एजेण्ट ने ₹ 45 गाड़ी भाड़ा, ₹ 135 गोदाम किराया एवं 1% दलाली के दिए। एजेण्ट ने 35 पंखे ₹ 520 प्रति पंखे की दर से बेचे। उसे कुल बिक्री पर 7.7% कमीशन प्राप्त होना है। प्रेषक को माल रास्ते में खोने के ₹ 900 रेलवे द्वारा क्षतिपूर्ति के प्राप्त हुए। प्रेषक के बही-खाते में प्रेषक खाता बनाइए।

अथवा

कोरबा कोल कम्पनी ने 1000 टन कोयला भोपाल के भोपाल कोल स्टोर्स को ₹ 12 प्रति टन की दर से प्रेषण पर भेजा। इस सम्बन्ध में कम्पनी ने ₹ 600 बीमा एवं ₹ 1,300 भाड़ा एवं लदान व्यय के दिए। भोपाल कोल स्टोर्स ने ₹ 200 गाड़ी भाड़ा और ₹ 300 गोदाम किराए के दिए। उन्होंने ₹ 760 टन कोयला ₹ 14,200 में बेच दिया

a2zsubject

पास 190 टन कोयला बचा रहा गया। 5% कमीशन चार्ज पर शेष राशि का ड्राफ्ट एजेण्ट द्वारा भेजा गया। प्रेषण की बही में प्रेषण खाता बनाइए।

25. 1 जनवरी, 2000 को एक कम्पनी के बही-खाते में यंत्र खाते का शेष ₹ 38,000 था। उसके अंतिम खाते 31 दिसम्बर को बनाए जाते हैं और मूल्यह्रास क्रमागत शेष पद्धति पर 10% प्रतिवर्ष अपलिखित किया जाता है। 1 जुलाई, 2000 को एक नया यंत्र ₹ 6,960 में खरीदा गया और उसी दिन एक यंत्र, जो 1 जनवरी, 1997 को ₹ 2,000 मूल्य का था, को 1,500 में बेच दिया गया। वर्ष 2000 के लिए यंत्र खाता बनाइए।

अथवा

एक कम्पनी के बही-खाते में यंत्र खाते का शेष 1 जनवरी 2010 को ₹ 80,000 था। 30 जून, 2010 को ₹ 10,000 का एक अतिरिक्त यंत्र क्रय किया। 31 दिसम्बर, 2010 को पुराने यंत्र के एक भाग, जिसका मूल्य 1 जनवरी, 2010 को ₹ 2,000 था, को ₹ 2,300 में बेच दिया गया। 10% की वार्षिक दर से ह्रासमान शेष पद्धति से ह्रास लगाते हुए 2010 का मशीन खाता तैयार कीजिए।

27. लालाजी के पास सोनी लिमिटेड के प्रति ₹ 20 वाले 100 समता अंश थे तो 10% बट्टे पर निर्गमित किए गए थे। उसने ₹ 4 आवेदन पर, ₹ 4 आबंटन पर (बट्टा घटाकर) दिया, किन्तु प्रथम याचना पर ₹ 5 तथा द्वितीय एवं अंतिम याचना पर ₹ 5 का भुगतान नहीं कर सका।

कम्पनी की बहियों में उपर्युक्त के लिए पूँजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

अथवा

माया कम्पनी ने प्रति ₹ 20 वाले 10000 अंश निर्गमित किए। राशियाँ इस प्रकार देय थीं— ₹ 10 आवेदन पर, ₹ 5 आबंटन पर व शेष ₹ 5 प्रति अंश याचना पर। 400 अंशों के एक धारक से याचना राशि प्राप्त नहीं हुई।

कम्पनी के बही-खाते में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

27. संजय क्लब के निम्नलिखित प्राप्ति-भुगतान खाते तथा नीचे दी गई सूचनाओं से 31 दिसम्बर, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय-व्यय खाता बनाइए—

प्राप्तियाँ	राशि	भुगतान	राशि
	₹		₹
शेष ला/ग	2,000	वेतन	2,000
प्रवेश शुल्क	200	विद्युत व्यय	150
चन्दे:		किराया	400
2012 ₹ 500		लेखन सामग्री	250
2013 ₹ 4,500		नये फर्नीचर का क्रय	2,000
2014 ₹ 700	5,700	विनियोग (1 अप्रैल, 2013 को 12% वार्षिक की दर से)	3,000
विनियोगों पर ब्याज	200		
मनोरंजन पर लाभ	1,200	अन्य व्यय	500
		31 दिसम्बर, 2013 को शेष	1,000
	9,300		**9,300**

1 जनवरी, 2013 को क्लब के पास ₹ 3,000 मूल्य का फर्नीचर था तथा ₹ 200 वेतन के गत वर्ष के देने थे। फर्नीचर पर ह्रास 10% प्रतिवर्ष है। 31 दिसम्बर, 2013 को अदत्त वेतन के ₹ 400 है। तथा चन्दा का ₹ 300 अप्राप्त है।

अथवा

जैन औषधालय, भोपाल का प्राप्ति तथा शोधन खाता 31 दिसम्बर, 2008 को निम्न प्रकार है :

प्राप्तियाँ	राशि	भुगतान	राशि
	₹		₹
शेष ला/ग	2,050	वेतन	800
वार्षिक चन्दे: 2007 ₹ 200		दवाइयाँ	4,200
2008 ₹ 4,100		धोबी का व्यय	300
2009 ₹ 300	4,600	बगीचे पर व्यय	400
दान	1,000	कार व्यय	700
रोगियों के मित्रों से आय	600	लेखन सामग्री	200
वार्ड का किराया	400	उपस्कर	1000
अन्य आय	200	औजार एवं यंत्र	500
		हस्तस्थ रोकड़	750
	8,850		**8,850**

जैन औषधालय के पास वर्ष के प्रारम्भ में भवन ₹ 4,000, उपस्कर ₹ 2,000, दवाइयाँ ₹ 800, कार ₹ 6,000, लेखन सामग्री, ₹ 40, अप्राप्त शुल्क ₹ 200 तथा अग्रिम शुल्क ₹ 300 था। वर्ष के अंत में रोगियों के मित्रों से ₹ 200 प्राप्त होने की आशा है, दवाइयाँ ₹ 1,000 की तथा लेखन सामग्री ₹ 50 की शेष हैं। वेतन का ₹ 200 देना बाकी है। औषधालय के पास 450 सदस्य हैं। प्रत्येक से ₹ 10 वार्षिक शुल्क प्राप्त होता है। आय-व्यय खाता बनाइए।